



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2533]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 5, 2019/श्रावण 14, 1941

No. 2533]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 5, 2019/SHRAVANA 14, 1941

श्रम और रोजगार मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 2019

का.आ. 2787(अ).—केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित है कि लौह अयस्क खनन में लगी हुई सेवाओं को, जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 16 के अधीन समावेशित किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं हैं;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (vi) के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार लौह अयस्क खनन में लगी हुई सेवाओं को, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह माह की अवधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा. सं. एस-11017/13/97-आईआर(पीएल)]

कल्पना राजसिंहोत, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th August, 2019

S.O. 2787(E).—Whereas the Central Government is satisfied that public interest so requires that the services engaged in the Iron Ore Mining, which is covered under item 16 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), to be public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947(14 of 1947), the Central Government hereby declares the services engaged in Iron Ore Mining to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months with effect from the date of publication of this notification.

[F. No. S-11017/13/97-IR (PL)]

KALPANA RAJSINGHOT, Jt. Secy.